Std. VI. उपसर्ग और प्रत्यय (HINDI LANG)

उपसर्ग:-

QN . 1. उपसर्ग की परिभाषा लिखें।

उत्तर:- वह शब्दांश जो किसी शब्द के पहले लगकर उसका अर्थ बदल देते हैं, उसे उपसर्ग कहते हैं । जैसे-- प्र (उपसर्ग)+ हार(मूल शब्द)=प्रहार

Qn 2. इन उपसर्गों से तीन- तीन शब्द बनाएँ :

कु-- कुपुत्र,कुमार्ग,कुविचार

सु--सुपुत्र,सुगम,सुविचार

प्रति--प्रतिदिन,प्रतिकार,प्रतिफल

उप--उपकार,उपयोग,उपहार

वि- विकार, विचार, विनिवेश

सम्--संयोग, संभव, संवाद

निस्--निश्चित, निश्चय,निश्चल

बे----बेईमान,बेजान,बेअक्ल

अन--अनजान,अनपढ़,अनबन

Qn 3. नीचे लिखें शब्दों से उपसर्ग व मूल शब्द अलग करें:-

उपसर्ग-मूल शब्द

स्वतंत्र--------स्व + तंत्र

अधिकार----अधि + कार

प्राचीन-------प्रा + चीन

सबल------ स + बल

बदसूरत---- बद + सूरत

तिरस्कार--- तिरस्+ कार

खुशदिल--- खुश + दिल

निर्जन---- निर् + जन

दुर्गम----- दूर् + गम

अंतर्राष्ट्रीय---अंतर् +राष्ट्रीय

Qn.4. इन शब्दों में उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाए:-

उपसर्ग ---नए शब्द

चार-- ला = लाचार

पूर्ण --- सम् = संपूर्ण

परवाह --ला =लापरवाह

जन्म----आ =आजन्म

बू--- ----बद =बदबू

देश------वि =विदेश

गुण---- अव =अवगुण

यश--'---अप =अपयश

कर्म-----सु = सुकर्म

साह----उत् =उत्साह

प्रत्यय:-

Qn 1. प्रत्यय की परिभाषा लिखें।

उत्तर:-वह शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उसे उपसर्ग कहते हैं।जैसे--लिख(शब्द) + आवट (प्रत्यय)= लिखावट

Qn .2. इन प्रत्ययों से तीन-तीन शब्द बनाएँ।

आई--लिखाई,पढ़ाई,चढ़ाई

आवट--लिखावट,मिलावट,बनावट

ईय---राष्ट्रीय,भारतीय,पर्वतीय

आवा--बुलावा,पछतावा,छलावा

नी----करनी,कथनी,मोरनी

त्व ---बंधुत्व,गुरुत्व,पुरुषत्व

इक--नागरिक,ऐतिहासिक ,धार्मिक

दार--दुकानदार,समझदार,शानदार

वान--धनवान,गुणवान,मूल्यवान

एरा---लुटेरा,बसेरा,चचेरा

Qn.3. नीचे लिखें शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग करें।

मूल शब्द----प्रत्यय

तैराक--- तैर + आक

लगान-----लग + आन

सुन्दरता----सुन्दर + ता

कृपालु---- कृपा + आलू

सुनार-----सोना + आर

घबराहट---घबरा + आहट

विधिवत्---विधि + वत्

स्त्रीत्व-----स्त्री + त्व

लकड़हारा---लकड़ी +हारा

एकता------एक + ता

Qn. 4.इन शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाए।

प्रत्यय = नए शब्द

पाठ--- अक =पाठक

उच्च---- तम =उच्चतम

खाट---- इया =खटिया

बुद्धि---- मान =बुद्धिमान

गुजरात---ई =गुजराती

ग्राम ------ इन = ग्रामीण

मनुष्य-----ता =मनुष्यता

साँप ------- एरा = सँपेरा

समझ -----औता =समझौता

भव --------आनी =भवानी